तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं.44/2020)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

मई दिल्ली, 29 जून, 2020

(www.trai.gov.in)

29 फरवरी, 2020 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1160.59**	**20.26**	**1180.84**
फरवरी, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.15	-0.33	3.82
मासिक वृद्धि दर	0.36%	-1.58%	0.32%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**643.24**	**17.98**	**661.23**
फरवरी, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-1.29	-0.23	-1.52
मासिक वृद्धि दर	-0.20%	-1.26%	-0.23%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**517.34**	**2.28**	**519.62**
फरवरी, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.44	-0.10	5.34
मासिक वृद्धि दर	1.06%	-4.07%	1.04%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**86.15%**	**1.50%**	**87.66%**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	139.68%	3.91%	143.59%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.35%	0.26%	58.61%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.42%	88.76%	56.00%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.58%	11.24%	44.00%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**662.04**	**19.07**	**681.11**

- फरवरी, 2020 के माह में 6.18 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से जनवरी, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 475.40 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत तक 481.58 मिलियन हो गया।

- फरवरी, 2020 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 986.82 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* भारतीय जनगणना 2011 की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों के आकड़ो के आधार पर

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2020 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,177.02 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत तक 1,180.84 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.32 प्रतिशत दर्ज की गयी। जनवरी, 2020 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 662.75 मिलियन से घटकर फरवरी, 2020 के अंत तक 661.23 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 514.27 मिलियन से बढ़कर 519.62 मिलियन हो गई। फरवरी, 2020 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर 0.23 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 1.04 प्रतिशत रही।

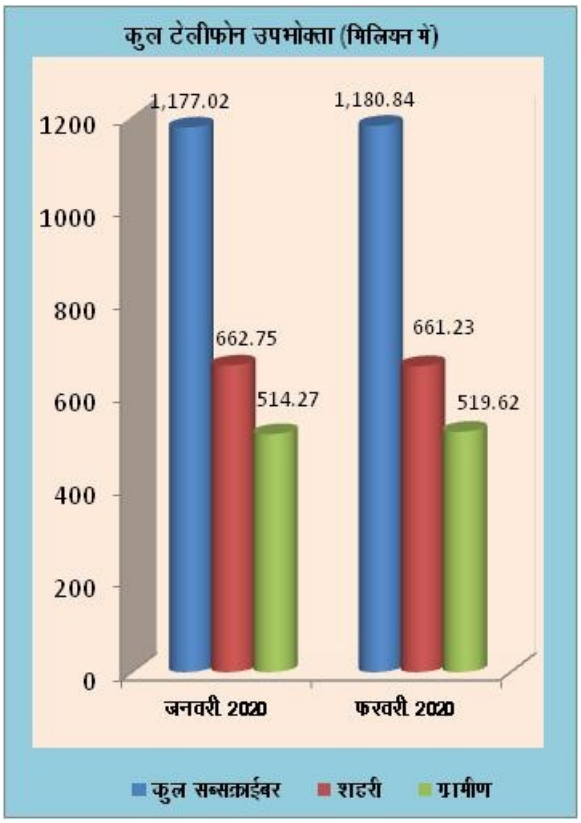

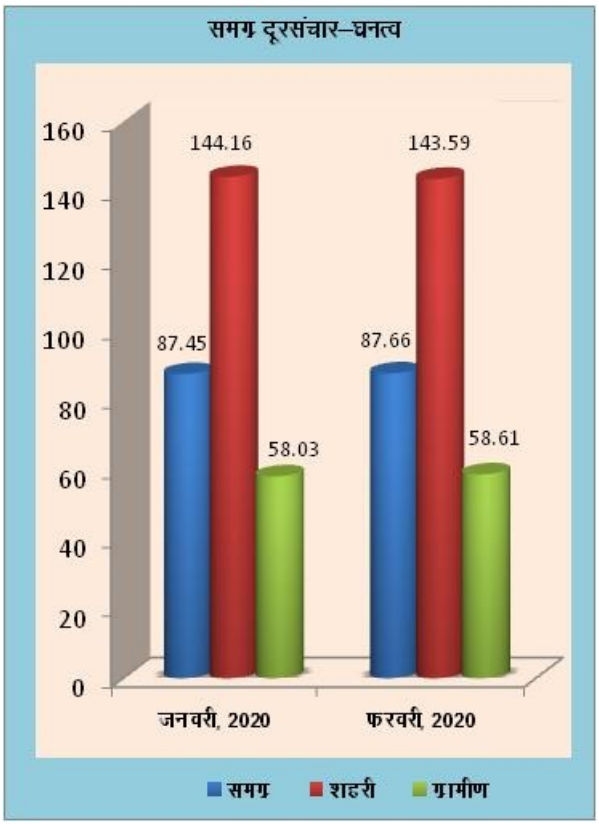

- जनवरी, 2020 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 87.45 से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत तक 87.66 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2020 के अंत तक 144.16 से घटकर फनवरी, 2020 के अंत तक 143.59 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी जनवरी, 2020 के अंत तक 58.03 से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत तक 58.61 हो गया। फरवरी, 2020 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56 प्रतिशत तथा 44 प्रतिशत थी।

दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

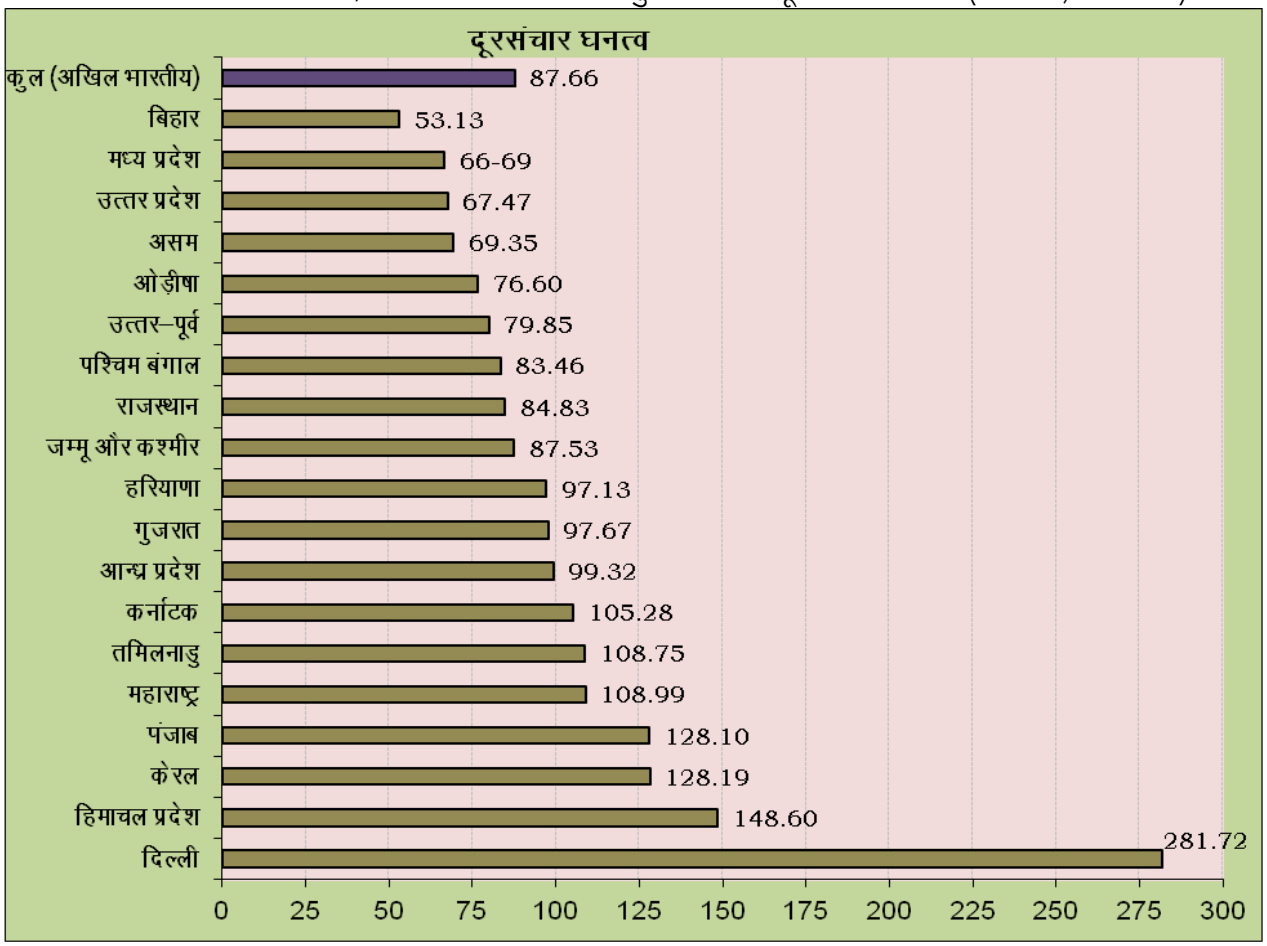

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि फनवरी, 2020 के अंत में नौ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 281.72 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 53.13 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारतीय जनगणना 2011 की जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई, जम्मू एवं कश्मीर में लद्दाख तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल हैं।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी, 2020 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी, 2020 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-1,08,852	7,18,918	78,37,950	39,88,23,724
श्रेणी – ख	-1,90,258	17,66,171	46,04,862	46,76,92,567
श्रेणी – ग	-2,818	10,67,823	8,29,147	17,64,78,200
महानगर	-23,280	5,93,547	69,87,588	11,75,90,737
अखिल भारतीय	**-3,25,208**	**41,46,459**	**2,02,59,547**	**1,16,05,85,228**

फरवरी, 2020 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2020 से फरवरी, 2020 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2019 से फरवरी, 2020 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-1.37%	0.18%	-8.12%	-1.70%
श्रेणी – ख	-3.97%	0.38%	-14.69%	-2.92%
श्रेणी – ग	-0.34%	0.61%	-8.19%	-1.53%
महानगर	-0.33%	0.51%	1.50%	0.53%
अखिल भारतीय	**-1.58%**	**0.36%**	**-6.71%**	**-1.95%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2020 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि तथा अन्य सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में फरवरी, 2020 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर केवल महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2020 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,156.44 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत तक 1,160.59 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.36 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2020 के अंत तक 644.54 मिलियन से घटकर फरवरी, 2020 के अंत तक 643.24 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 511.90 मिलियन से बढ़कर 517.34 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर 0.20 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर 1.06 प्रतिशत रही।

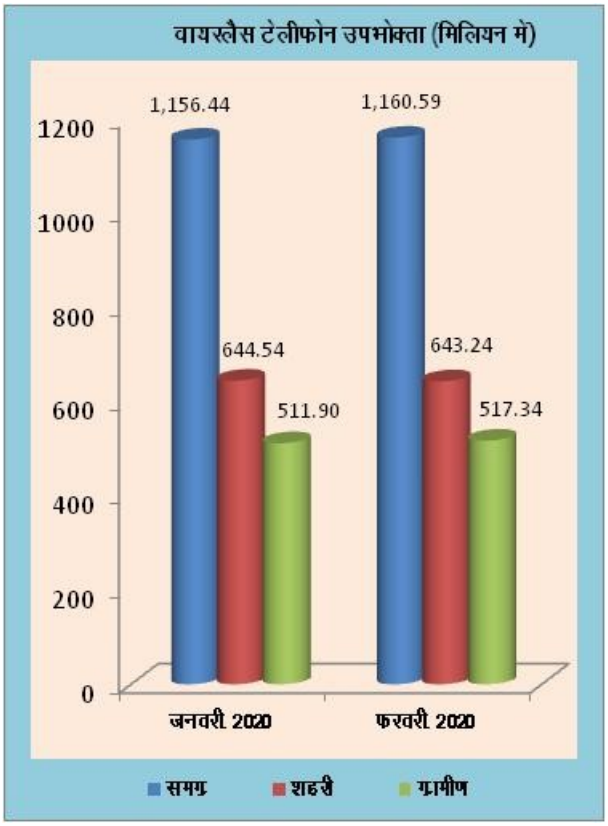

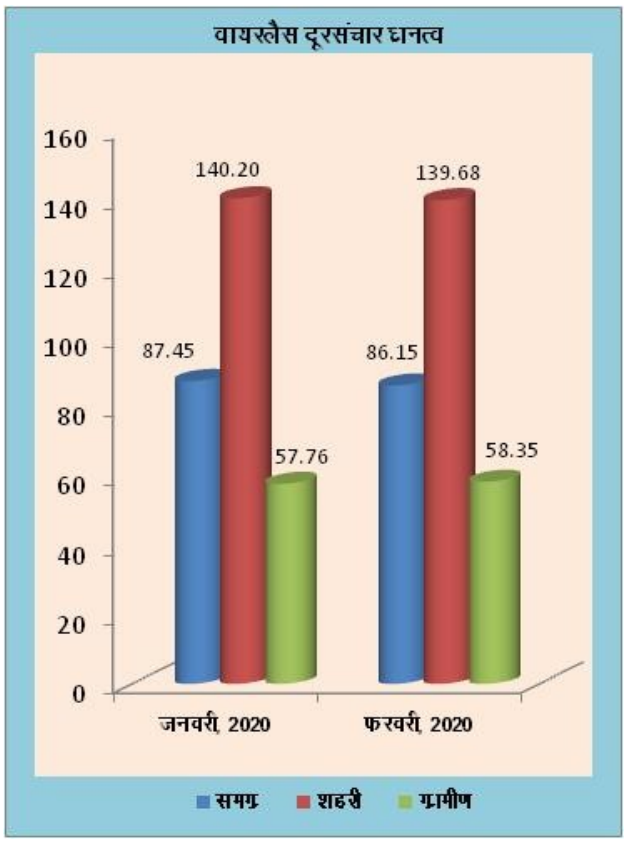

- जनवरी, 2020 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 87.45 से घटकर फरवरी, 2020 के अंत तक 86.15 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जनवरी, 2020 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 140.20 से घटकर फरवरी, 2020 के अंत में 139.68 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 57.76 से बढ़कर 58.35 हो गया। फरवरी, 2020 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.42 प्रतिशत तथा 44.58 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.39 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.61 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

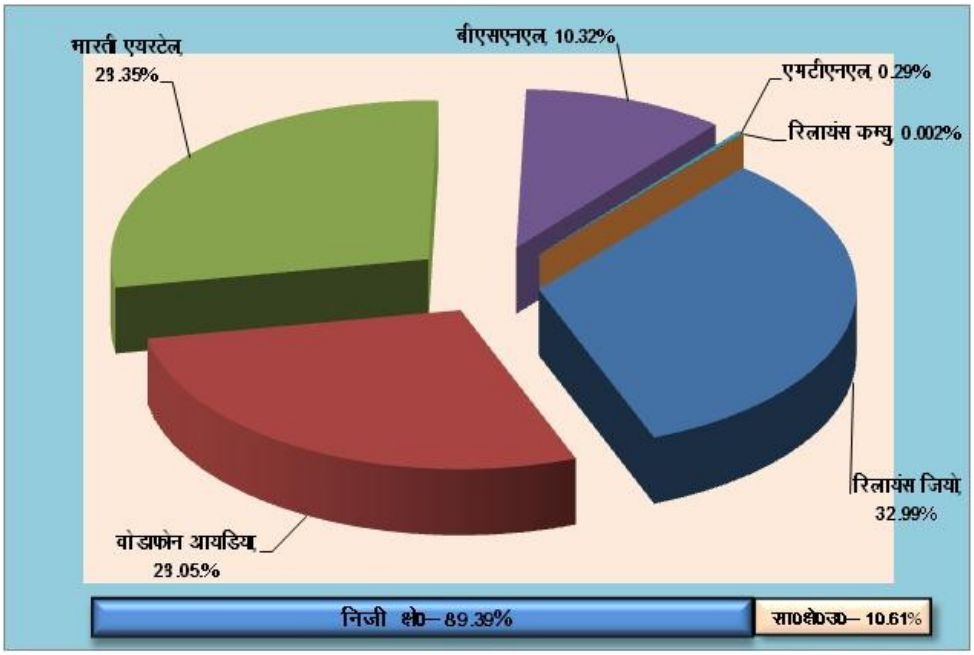

फरवरी, 2020 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

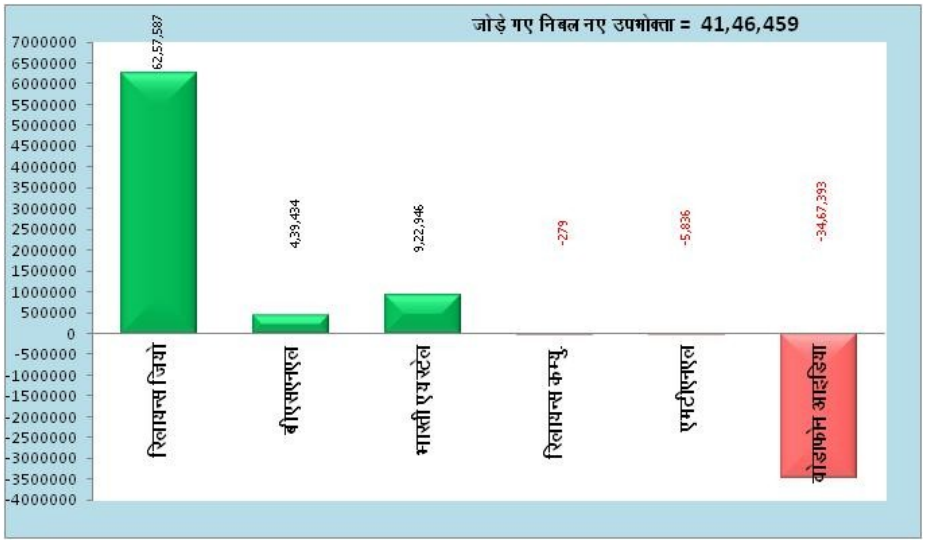

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,160.59 मिलियन) में से 986.82 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 85.03 प्रतिशत था।

- फरवरी, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

फरवरी, 2020 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

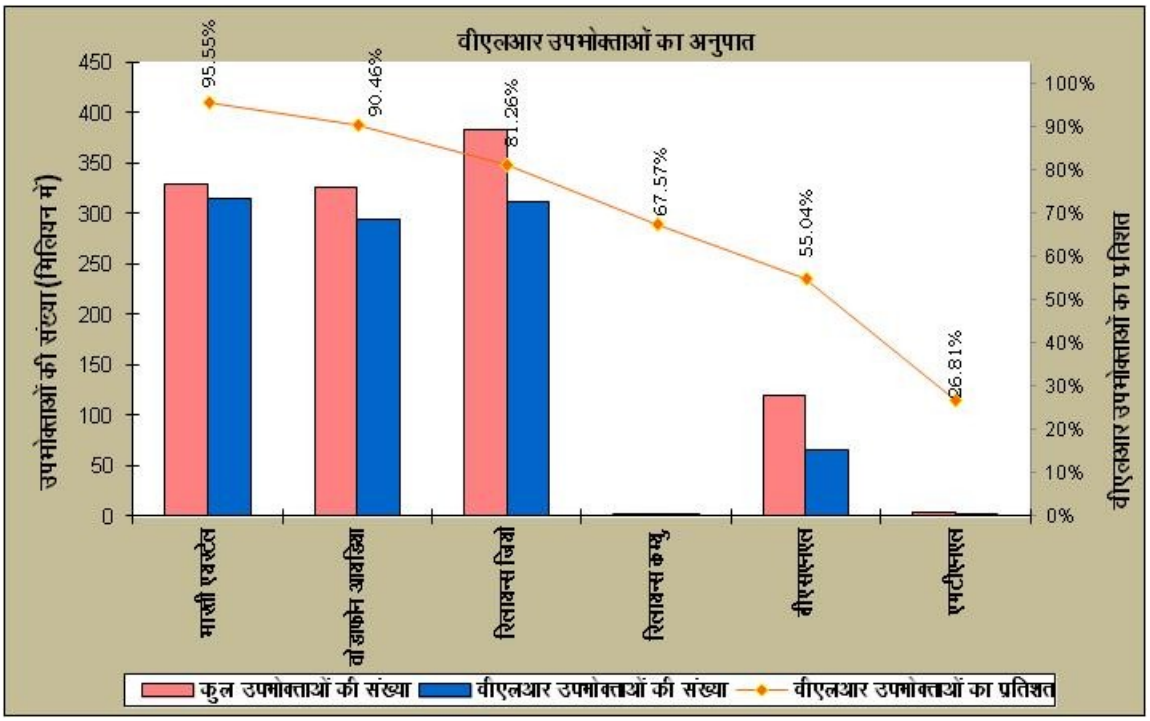

- फरवरी, 2020 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 95.55 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 26.81 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

फरवरी, 2020 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

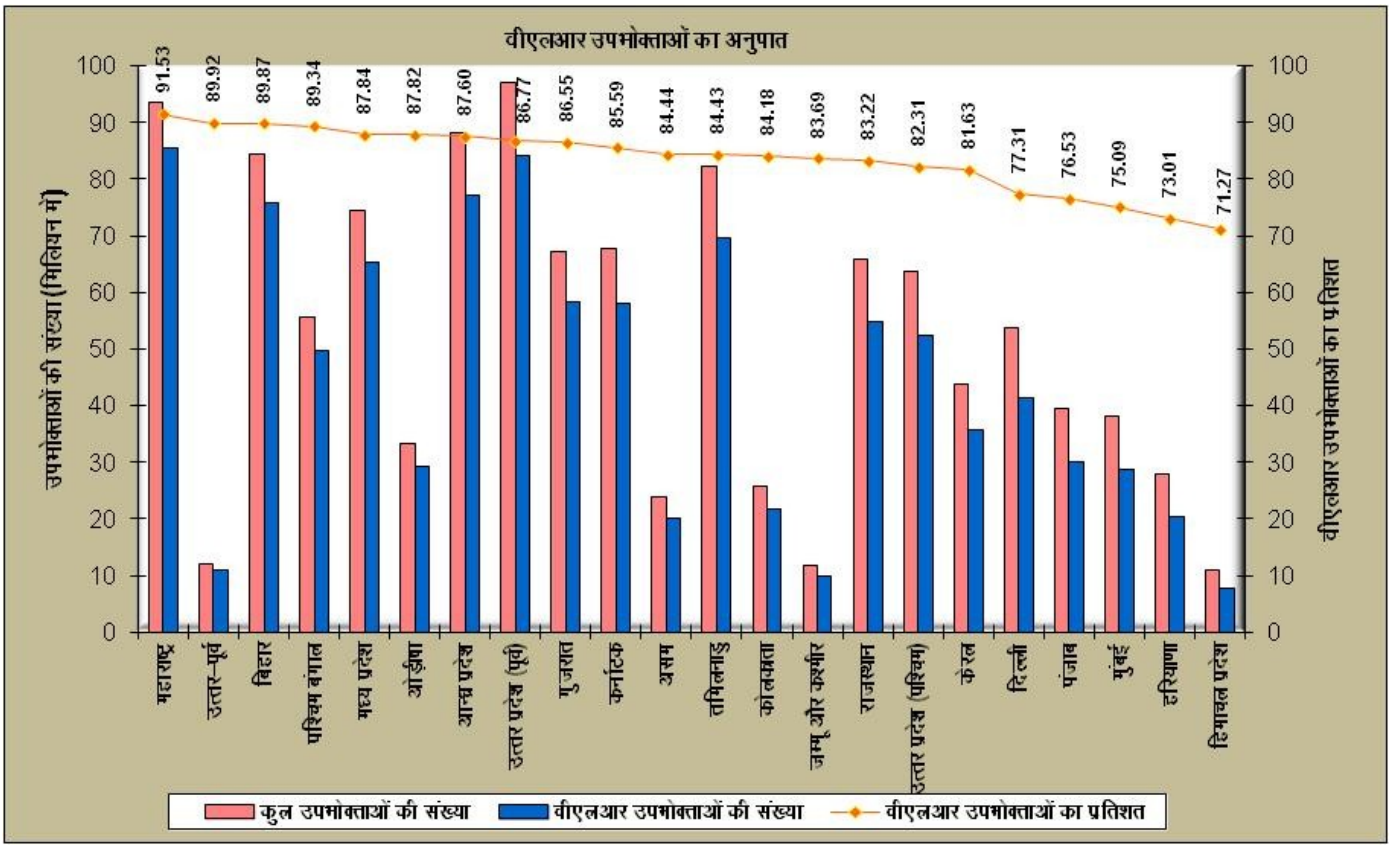

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

फरवरी, 2020 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

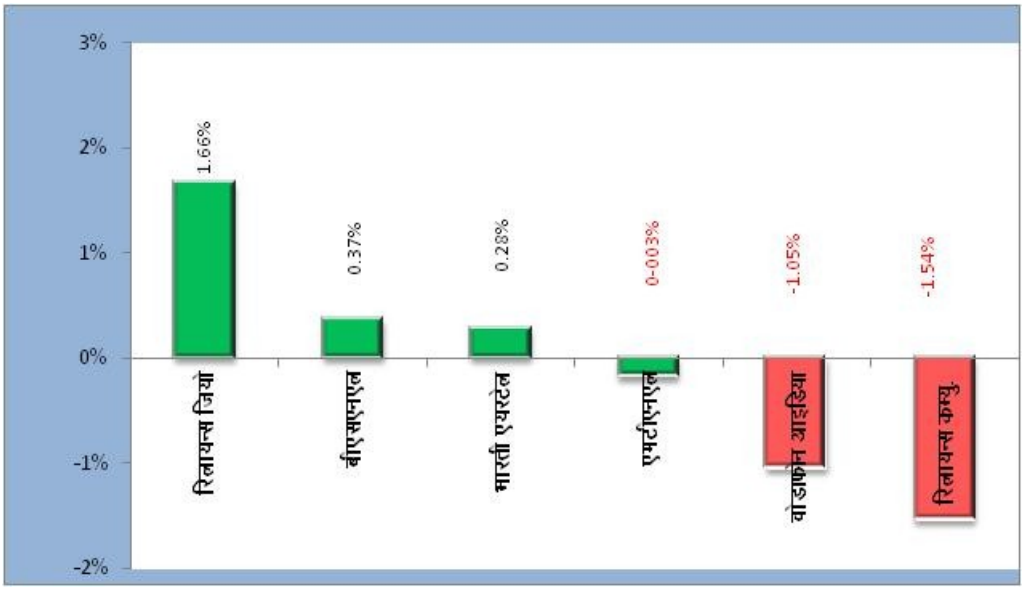

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

फरवरी, 2020 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

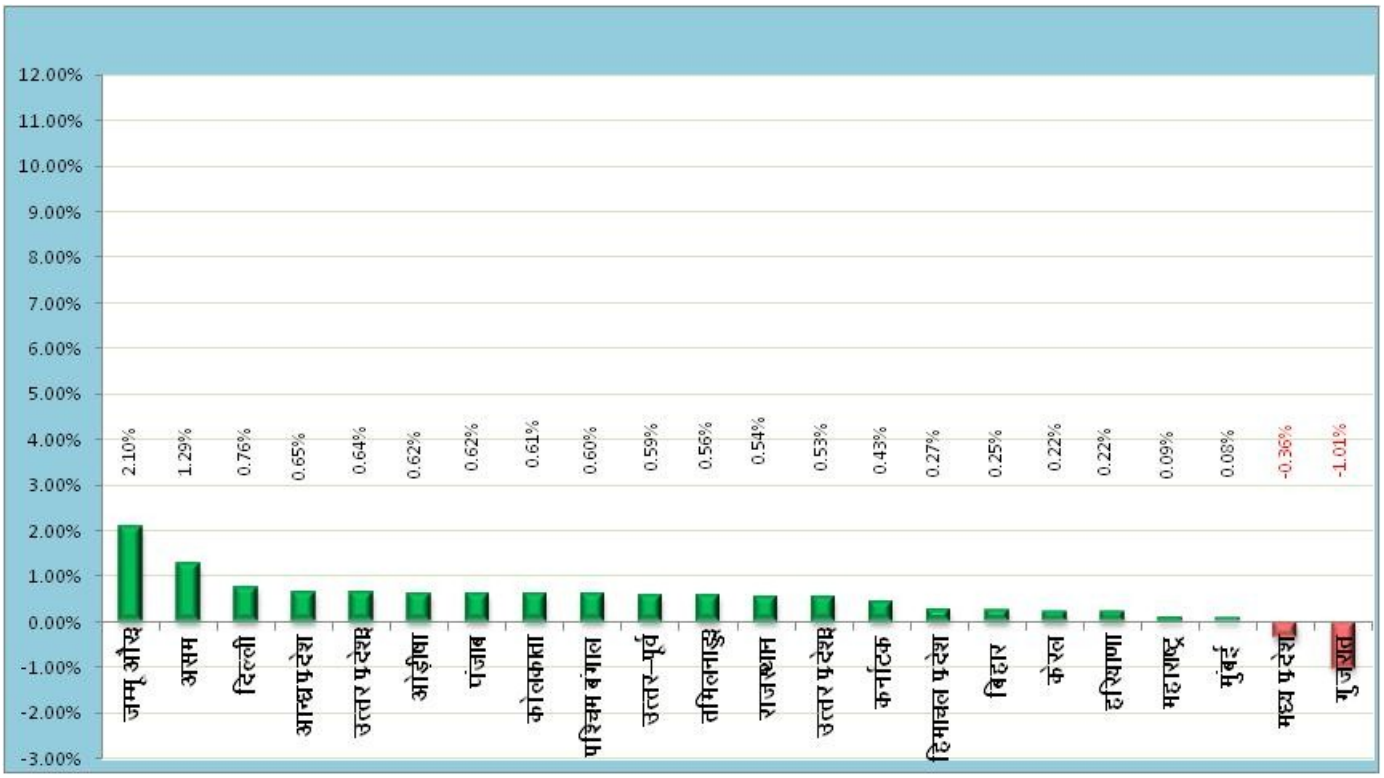

- फरवरी, 2020 माह के दौरान गुजरात एवं मध्य प्रदेश को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान जम्मू और कश्मीर सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 2.10 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी, 2020 के माह में कुल 6.18 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 6.18 मिलियन अनुरोधों में से 3.34 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 2.84 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी

एमएनपी अनुरोध जनवरी, 2020 के अंत तक 475.41 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत तक 481.59 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 37.15 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद राजस्थान में (लगभग 37.10 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 43.37 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 40.42 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020		जनवरी, 2020	फरवरी, 2020
दिल्ली	24.52	24.78	आन्ध्र प्रदेश	39.95	40.42
गुजरात	31.71	32.14	टसम	3.63	3.67
हरियाणा	17.14	17.33	थ्बहार	19.51	19.88
हिमाचल प्रदेश	2.32	2.35	कर्नाटक	43.06	43.37
जम्मू और कश्मीर	1.15	1.16	केरल	12.03	12.21
महाराष्ट्र	36.54	37.15	कोलकाता	11.20	11.31
मुंबई	23.74	23.91	मध्य प्रदेश	31.51	32.07
पंजाब	18.35	18.58	उत्तर–पूर्व	1.41	1.43
राजस्थान	36.76	37.10	ओड़ीशा	9.47	9.57
उत्तर प्रदेश–पूर्व	26.90	27.50	तमिलनाडु	39.60	39.98
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	21.65	22.10	पश्चिम बंगाल	23.27	23.57
कुल	**240.77**	**244.11**	कुल	**234.64**	**237.48**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**475.41**	**481.59**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (फरवरी, 2020 माह में)					6.18 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2020 के अंत तक 20.58 मिलियन से घटकर फरवरी, 2020 के अंत तक 20.26 मिलियन हो गई। इस माह में 1.58 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.33 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। फरवरी, 2020 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 88.76 प्रतिशत तथा 11.24 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2020 माह के अंत में 1.53 से घटकर फरवरी, 2020 माह के अंत में 1.50 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.91 तथा 0.26 रहा।

- 29 फरवरी, 2020 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 58.88 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। फरवरी, 2020 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

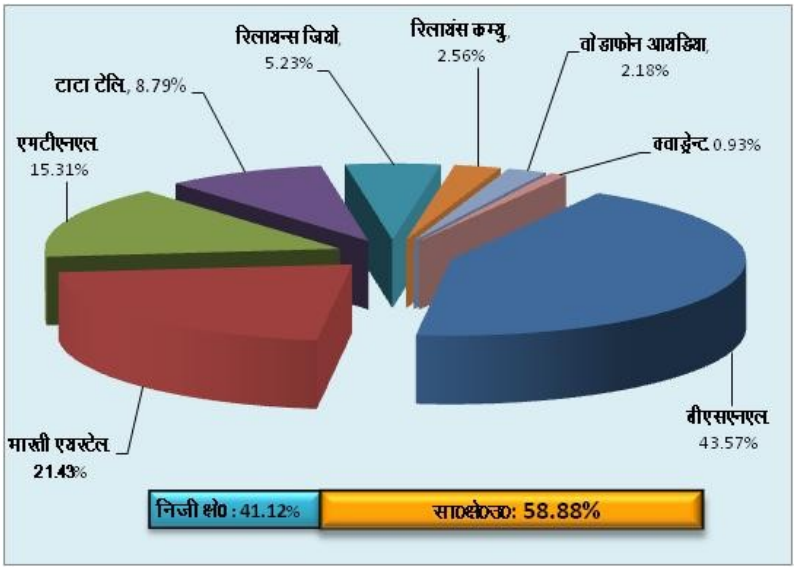

फरवरी 2020 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

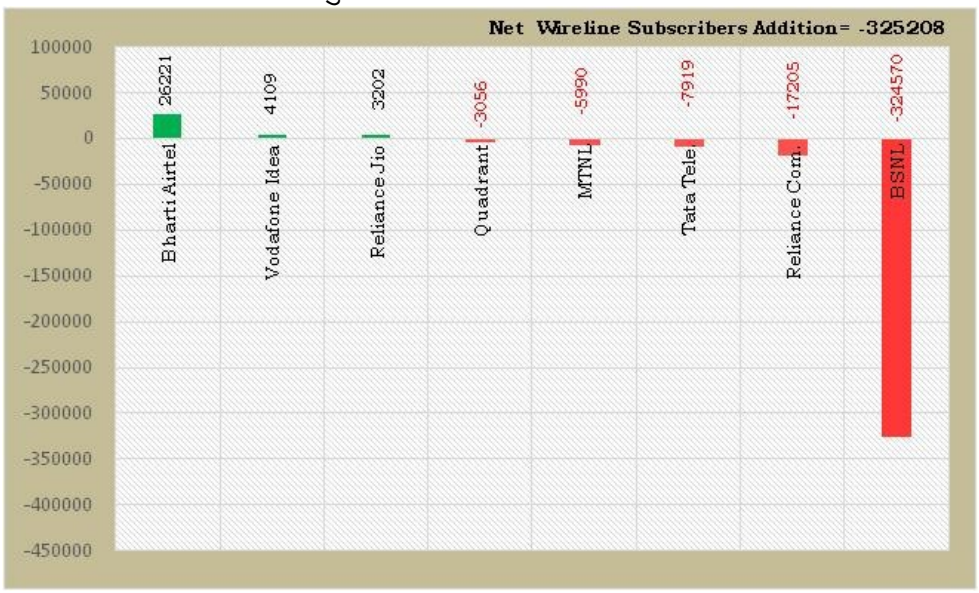

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- फरवरी माह में 341 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी, 2020 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 673.40 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2020 के अंत में 681.11 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.15 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		फरवरी, 2020 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.08	19.07	-0.27%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	653.71	661.45	1.18%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.60	0.58	-1.72%
कुल	**673.39**	**681.11**	**1.15%**

- फरवरी, 2020 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.99 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (383.67 मिलियन), भारती एयरटेल (146.10 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (118.25 मिलियन), बीएसएनएल (24.67 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.56 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 29.02.2020 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

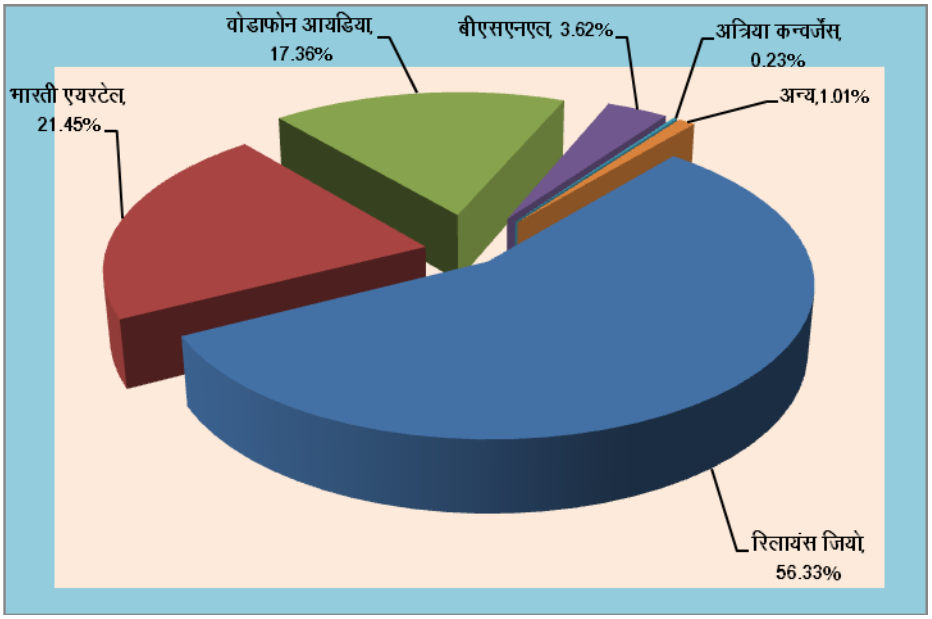

- दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (8.11 मिलियन), भारती एयरटेल (2.45 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.56 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.94 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.84 मिलियन) थे।

- दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (382.83 मिलियन), भारती एयरटेल (143.65 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (118.23 मिलियन), बीएसएनएल (16.55 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.18 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020
आन्ध्र प्रदेश	29073195	29401184	2233	2213	18794095	18581845	9891040	9897992					29724407	30170146	87484970	88053380
असम	8315900	8344039	0	0	4539372	4658150	2761008	2778094					8023651	8165090	23639931	23945373
बिहार	35198140	35124320	383	381	14823964	14563927	5459122	5551247					28740101	29195038	84221710	84434913
दिल्ली	15624496	15691909	1810	1789	17646831	17743366					2184561	2182809	17756333	18000340	53214031	53620213
गुजरात	11070661	11061517	615	605	27359352	26374653	6097309	6111291					23387210	23679880	67915147	67227946
हरियाणा	4493585	4541532	140	136	9083847	9050170	5039948	5046554					9299386	9339766	27916906	27978158
हिमाचल प्रदेश	3384752	3366740	105	104	905435	885017	2971171	2983302					3527200	3582892	10788663	10818055
जम्मू और कश्मीर	5602821	5846046	0	0	649280	610300	1271939	1261136					4003971	4052254	11528011	11769736
कर्नाटक	28726293	28789394	1549	1540	11737915	11640204	7327006	7328042					19621752	19945174	67414515	67704354
केरल	5567226	5618292	634	632	18441748	18366590	10972574	10975611					8693941	8811746	43676123	43772871
कोलकाता	6326162	6297202	36	36	7600548	7567960	1946039	2030138					9788521	9921868	25661306	25817204
मध्य प्रदेश	14640460	14598227	758	750	24141435	23262800	6315980	6356537					29511247	30122380	74609880	74340694
महाराष्ट्र	16086073	16187603	1077	1050	39550093	39037114	7241522	7192711					30519389	31065417	93398154	93483895
मुंबई	9877605	9954018	2471	2397	13288940	13124525					1186107	1182023	13766730	13890357	38121853	38153320
उत्तर–पूर्व	5218385	5242050	0	0	1878271	1863866	1409289	1407763					3554006	3617709	12059951	12131388
ओड़ीशा	11618841	11535226	368	364	3370789	3341790	6100003	6175768					12082110	12325587	33172111	33378735
पंजाब	10326810	10347907	319	316	9609814	9581610	5764539	5776616					13432899	13669665	39134381	39376114
राजस्थान	21260045	21282306	372	368	13898382	13943032	6198319	6207245					24194554	24474431	65551672	65907382
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25456293	25352753	3226	3133	20962158	21049736	12468041	12553826	91544	91660			22910758	23303041	81892020	82354149
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30873212	31004679	853	866	26443773	26365167	11768215	11715869					27243790	27859162	96329843	96945743
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13664867	13826814	305	301	24599457	24351921	5971430	5989988					19173890	19573971	63409949	63742995
पश्चिम बंगाल	15746165	15661175	815	809	19663708	19558071	2271223	2345305					17615731	18063250	55297642	55628610
कुल	**328151987**	**329074933**	**18069**	**17790**	**328989207**	**325521814**	**119245717**	**119685035**	**91544**	**91660**	**3370668**	**3364832**	**376571577**	**382829164**	**1156438769**	**1160585228**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**922946**		**-279**		**-3467393**		**439318**		**116**		**-5836**		**6257587**	**0**	**4146459**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*147706388*	*150437858*	*0*		*170769483*	*168051655*	*37756939*	*40083083*	*0*	*0*	*45657*	*45621*	*155623117*	*158722801*	511901584	517341018

अनुलग्नक–**II**

फरवरी, 2020 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	105.37	64.81	90.22		58.56	76.14	87.60
टसम	97.76	52.63	81.74		-	83.19	84.44
थ्बहार	93.49	50.19	86.50		98.83	94.73	89.87
दिल्ली	86.46		81.32	17.57	29.26	72.64	77.31
गुजरात	94.69	51.10	97.46		29.26	79.74	86.55
हरियाणा	101.47	37.56	88.26		52.94	63.56	73.01
हिमाचल प्रदेश	97.26	38.91	94.20		33.65	68.13	71.27
जम्मू और कश्मीर	93.93	57.85	88.23		-	76.27	83.69
कर्नाटक	93.86	58.68	92.60		88.44	79.46	85.59
केरल	95.62	67.32	92.83		28.48	67.22	81.63
केलकाता	93.92	52.01	90.65		-	79.66	84.18
मध्य प्रदेश	93.30	48.77	90.93		47.87	91.06	87.84
महाराष्ट्र	101.99	60.18	95.14		49.43	88.80	91.53
मुंबई	77.84		78.05	43.85	126.91	72.98	75.09
उत्तर–पूर्व	97.43	75.95	80.59		-	89.27	89.92
ओड़ीशा	96.89	66.45	94.71		13.46	88.18	87.82
प्ंजाब	97.84	42.45	86.21		21.20	68.03	76.53
राजस्थान	95.68	48.14	91.41		36.14	76.63	83.22
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	93.64	66.99	90.74		72.45	78.17	84.43
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	97.68	38.80	93.86		38.11	88.09	86.77
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	96.34	44.02	88.16		11.63	76.85	82.31
पश्चिम बंगाल	94.12	81.39	89.94		27.07	85.57	89.34
कुल	**95.55**	**55.04**	**90.46**	**26.81**	**67.57**	**81.26**	**85.03**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020	जनवरी, 2020	फरवरी, 2020
आन्ध्र प्रदेश	770343	756922			207678	208792	31428	30371	170325	168529			49025	51315	100170	97292	1328969	1313221
असम	96405	95443											3420	3420	11359	12218	111184	111081
बिहार	149363	146849					2206	2092	8528	8444			1920	1980	15401	16465	177418	175830
दिल्ली	0	0	1401938	1398989	1482973	1487412	71165	69477	148611	148121			72630	76755	81885	86395	3259202	3267149
गुजरात	738535	664016			97489	97649	10571	10173	85666	85910			33097	31782	139027	132800	1104385	1022330
हरियाणा	180830	178089			22086	22247	1766	1598	38547	38508			360	360	24030	24698	267619	265500
हिमाचल प्रदेश	96638	95403					1239	1178	1896	1926			60	60	719	752	100552	99319
जम्मू और कश्मीर	124172	122309						0		0				0	9709	12160	133881	134469
कर्नाटक	881273	868598			732935	745374	101270	98612	275165	275265			61027	79977	57417	51705	2109087	2119531
केरल	1503220	1459835			63345	63469	11002	10464	19643	19705			5610	5640	13258	14099	1616078	1573212
कोलकाता	401784	395948			133968	134767	34192	33844	50105	49019			10220	11480	33627	32321	663896	657379
मध्य प्रदेश	471643	360002			241127	241403	5043	4864	13614	13363			2250	2280	49626	49253	783303	671165
महाराष्ट्र	901303	889585			109369	111503	37970	36927	260742	259341			30733	29503	37002	36610	1377119	1363469
मुंबई	0	0	1706484	1703443	393304	395256	146722	141314	543608	540146			91271	77476	206381	205425	3087770	3063060
उत्तर–पूर्व	92235	91944											270	270	4948	5724	97453	97938
ओड़ीषा	188192	186829					1711	1651	8620	8667			5730	5730	7224	7633	211477	210510
पंजाब	325322	319377			138705	139025	9873	9776	12411	12298	192339	189283	3060	3030	39237	36137	720947	708926
राजस्थान	369595	362816			57340	57538	13403	12825	11459	11558			10221	9810	41266	38981	503284	493528
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1190911	1172524			547173	548407	49968	47341	123464	123527			31450	32305	84276	95295	2027242	2019399
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	288185	284198			62681	63086	3068	2888	8200	8361			20040	13330	33812	67778	415986	439641
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	216687	212806			24782	25248	2216	2213	4924	4924			5550	5550	56998	26858	311157	277599
पश्चिम बंगाल	164547	163120					1615	1615	2447	2444			120	120	8017	7992	176746	175291
कुल	**9151183**	**8826613**	**3108422**	**3102432**	**4314955**	**4341176**	**536428**	**519223**	**1787975**	**1780056**	**192339**	**189283**	**438064**	**442173**	**1055389**	**1058591**	**20584755**	**20259547**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		**-324570**		**-5990**		**26221**		**-17205**		**-7919**		**-3056**		**4109**		**3202**		**-325208**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2285459	2189498	0	0	0	0	972	972	46916	46896	37237	36531	0	0	2520	2619	2373104	2276516

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————